WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

BARASAT, 24 PGS (NORTH), KOLKATA- 700126

DRAFT SYLLABUS FOR UNDERGRADUATE CBCS

HINDI HONOURS & GENERAL

TO BE EFFECTIVE FROM ACADEMIC SESSION 2018-19

Table : Distribution of courses in different semesters for UNDER GRADUATE (GENERAL) course in Arts (Humanities/Social Sciences/Commerce)

Semester	Core	DSE	GE	AECC	SEC	Total credit
I	DSC 1A-HINGCOR01T DSC 2A English			Environmental science		20
II	DSC 1B-HINGCOR02T DSC 2B English			English/MIL Communication-HINSAEC01M		20
III	DSC 1C-HINGCOR03T DSC 2C MIL-HINLCOR01T				SEC1-HINSSEC01M	20
IV	DSC 1D-HINGCOR04T DSC 2D MIL-HINLCOR02T				SEC2-HINSSEC02M	20
V		DSE1A HINGDSE01/02 DSE 2A	GE1-HINGGEC01T		SEC3	20
VI		DSE 1B-HINGDSE03/04T DSE 2B	GE2-HINGGEC02T		SEC4	20
Total number of courses	12	4	2	2	4	120

The course for the different semesters will be as given in the following Table

Table : Distribution of courses in different semesters for **UNDER GRADUATE (HONOURS) courses**

Semester	Core	DSE	GE	AECC	SEC	Total credit
I	C1-HINACOR01T C2-HINACOR02T		GE1-HINHGEC01T	Environmental science		20
II	C3-HINACOR03T C4-HINACOR04T		GE2-HINHGEC02T	English/MIL Communication-HINSAEC01M		20
III	C5-HINACOR05T C6-HINACOR06T C7-HINACOR07T		GE3-HINHGEC03T		SEC1-HINSSEC01M	26
IV	C8-HINACOR08T C9-HINACOR09T C10-HINACOR10T		GE4-HINHGEC04T		SEC2-HINSSEC02M	26
V	C11-HINACOR11T C12-HINACOR12T	DSE1-HINADSE01T DSE2- HINADSE02T DSE3- HINADSE03T (Any two)				24
VI	C13-HINACOR13T C14-HINACOR14T	DSE4-HINADSE04T DSE5- HINADSE05T DSE6- HINADSE06T (Any two)				24
Total number of courses	14	4	4	2	2	140

SYLLABUS UNDER CBCS (HINDI) B.A. (GENERAL) HINDI,CORE COURSE (CC)	
PAPER'S CODE	**PAPERS NAME**
HINGCOR01T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
HINGCOR02T	मध्यकालीन हिंदी कविता :
HINGCOR03T	आधुनिक हिंदी कविता
HINGCOR04T	हिंदी गद्य साहित्य :
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) for both General & Honours	
HINSSEC01M	कार्यालयी हिंदी
HINSSEC02M	अनुवाद विज्ञान
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) (ANY FOUR)	
HINGDSE01T	कबीर
HINGDSE02T	तुलसीदास
HINGDSE03T	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
HINGDSE04T	प्रयोजनपरक हिंदी
GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)	
HINGGEC01T	आधुनिक भारतीय कविता
HINGGEC02T	आधुनिक भारतीय साहित्य
MODERN INDIAN LANGUAGES (MIL)	
HINLCOR01T	हिंदी भाषा और साहित्य
HINLCOR02T	हिंदी गद्य: उद्भव और विकास
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSES (AECC) MIL COMMUNICATION	
HINSAEC01M	हिंदी संप्रेषण (MIL Communication)

SYLLABUS UNDER CBCS (HINDI) B.A. (HONOURS) HINDI, CORE COURSE (CC)	
PAPER'S CODE	**PAPERS NAME**

HINACOR01T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
HINACOR02T	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
HINACOR03T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
HINACOR04T	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
HINACOR05T	छायावादोत्तर हिंदी कविता
HINACOR06T	भारतीय काव्यशास्त्र
HINACOR07T	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
HINACOR08T	भाषा विज्ञान
HINACOR09T	हिंदी उपन्यास
HINACOR10T	हिंदी कहानी
HINACOR11T	हिंदी नाटक एवं एकांकी
HINACOR12T	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
HINACOR13T	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
HINACOR14T	प्रयोजनमूलक हिंदी
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)	
HINSSEC01M	साहित्य और हिंदी सिनेमा
HINSSEC02M	अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)	
HINADSE01T	लोक साहित्य
HINADSE02T	अस्मितामूलकविमर्श और हिंदी साहित्य
HINADSE03T	राष्ट्रीय काव्यधारा
HINADSE04T	हिंदी संत काव्य
HINADSE05T	तुलसीदास
HINADSE06T	प्रेमचंद

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

PAPER'S CODE	PAPERS NAME
: HINHGEC01T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
HINHGEC02T	मध्यकालीन हिंदी कविता
HINHGEC03T	आधुनिक हिंदी कविता
HINHGEC04T	हिंदी गद्य साहित्य
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)	
HINSAEC01M	हिंदी संप्रेषण (MIL Communication)

Core Course :

HINGCOR01T - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई - I आदिकाल

- हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- आदिकाल – काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई – II भक्तिकाल

- भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – III रीतिकाल

- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकालीन प्रमुख धाराएं एवं उनकी सामान्य प्रवृतियों क परिचय

इकाई - IV आधुनिक काल

- नवजागरण की अवधारणा
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी भाषा – धीरेंद्र वर्मा

4. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र

5. हिंदी साहित्य क अतीत ,भाग – १ ,२ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

6. हिंदी साहित्य क आधा इतिहास – सुमन राजे

7. रीतिकाल की भुमिका – डॉ. नगेन्द्र

8. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियों- नामवर सिंह

9. छायावाद –नामवर सिंह

10. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास –बच्चन सिंह

11. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी

12. हिंदी साहित्य कोश – भाग १,२

13. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

14. आधुनिक साहित्य – नन्द दुलारे बाजपेयी

15. आधुनिक साहित्य : बीसवीं शताब्दी – नन्द दुलारे बाजपेयी

16. अधुनिकताबोप्ध और आधुनिकीकरण – रमेश कुंतल मेघ

17. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

18. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा

19. हिंदी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेन्द्र प्रताप सिन्हा

20. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा

HINGCOR02T : मध्यकालीन हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई – 1 (क) कबीर

कबीर ग्रंथावली (सं. – श्यामसुंदर दास)

i.कस्तुरी कुंडलि बसै

ii. सुखिया सब संसार है

iii . प्रेम न बारी उपजै

iv . जब मैं था तब हरी नहीं

v .जाति न पूछो साधू की

(ख) जायसी

(जायसी ग्रंथावली, नागमति वियोग खंड, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i.नागमती चितउर पथ हेरा

ii.पिउ – वियोग अस बाउर जीऊ

iii.पाट महादेइ ! हिये न हारू

iv.चढ़ा असाढ़ गंगन घन गाजा

v.सावन बरसि मेह अतिवानी

इकाई – 2 (क) सूरदास

भ्रमरगीतसार (सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i. अविगति गति कुछ क़हत न आवै

ii. जसोदा हरि पालनै झुलावै

iii. उद्धव धनि तुम्हारो व्यवहार

iv. आयो घोष बड़ो व्योपारी

v. तेरो बुरो न कोउ मानै

(ख) तुलसीदास

(विनय पत्रिका , गीताप्रेस , गोरखपुर)

i. अवलौं नसानी , अब न नसहौं

ii. ऐसो कौन उदार जग माही

iii. जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे

iv. देव तू दयालु दीन हौं तू दानि हौं भिखारी

v. ऐसे हरि करत दास पर प्रीति

इकाई – 3

(क) मीराबाई: **मीरा का काव्य: विश्वनाथ त्रिपाठी**

i. मैं तो साँवरे के रंग राची.....

ii. हेरी मैं तो प्रेम दिवानी, मेरो दरद न जाने कोय.....

iii. पग घूंघरू बाँध मीरा नाची रे.....

iv. आली रे म्हारे णण बाण पड़ी.....

v. पायो जीम्हें तो स्याम रतन धन पायो.....

(ख) रसखान : **रीति काव्य-संग्रह – जगदीश गुप्त**

- मानुष हौं तो वही रसखानि
- या लकुटि अरु कामरिया पर
- धूर भरे अति सोभित स्याम जू

- सेस गनेस महेस दिनेस
- लीने अबीर भरे पिचका

इकाई –4 (क) बिहारी

बिहारी सतसई (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

i. या अनुरागी चित्त की गति समझै नहिं कोई

ii. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कानु

iii. नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल

iv. क़हत नटत रीझट खिझत मिलत खिलत लजियात

v. मेरी भव बाधा हरौ , राधा नागरि सोई

(ख) घनानन्द

घनानन्द कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

i. रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारिये

ii. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं

iii. जासों प्रीति ताहि निठुराई सों निपट नेह

iv. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समाने

v. नेह निधान सुजान समपि तौ सींचति ही हियरा सिवराई

सहायक ग्रंथ

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका – रामचन्द्र शुक्ल

3. भ्रमरगीतसार की भूमिका – रामचन्द्र शुक्ल

4. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल

5. जायसी – विजयदेवनारायण साही

6. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त

7. कबीर ग्रंथावली (सटीक) – रामकिशोर शर्मा

8. तुलसी काव्य में साहित्यिक अभिप्राय – जनार्दन उपाध्याय

9. जायसी : एक नयी दृष्टि – रघुवंश

10. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

11. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

12. बिहारी विभूति – राजकुमारी मिश्र

13. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द – मनोहर लाल गौड़

14. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र

15. रीतिकाव्य – जगदीश गुप्त

16. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह

17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह

18. रसखान रत्नावली – राघव रघु

HINGCOR03T : आधुनिक हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई 1 — (क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र – **भारतेन्दु संचयन (सं – रामजी यादव)**

- नए जमाने की मुकरी

(ख) मैथिलीशरण गुप्त

- दोनों ओर प्रेम पलता है
- मनुष्यता

इकाई 2 — (क) जयशंकर प्रसाद:

- अरी वरुणा की शांत कछार,
- ले चल भुलावा देकर,
- अशोक की चिंता

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-

- बादल राग-6,
- स्नेह निर्झर बह गया,
- मैं अकेला देखता हूं आ रही,

इकाई 3 – (क) सुभद्रा कुमारी चौहान

- ठुकरा दो या प्यार करो,
- वीरों का कैसा हो वसंत,
- झांसी की रानी की समाधि पर,

(ख) रामधारी सिंह दिनकर

- रश्मिरथी : तृतीय सर्ग

इकाई 4 – (क) नागार्जुन

- अकाल और उसके बाद
- मेरी भी आभा है इसमें
- शासन की बंदूक

(ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

- हिरोशिमा
- साँप
- यह दीप अकेला

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन—डा. नगेंद्र
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
4. निराला आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
5. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
6. छायावाद: नामवर सिंह
7. त्रयी(प्रसाद, निराला और पंत)- आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र- कृष्णदत्त पालीवाल
9. हिंदी स्वच्छंदतवादी काव्य धारा – प्रेमशंकर
10. सुभद्रा कुमारी चौहान – मंगला अनुज
11. रामधारी सिंह दिनकर – विजयेन्द्र नारायण सिंह
12. नागार्जुन का रचना संसार – बिजय बहादुर सिंह
13. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा

HINGCOR04T : हिंदी गद्य साहित्य (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई - I : उपन्यास – स्वरूप और संरचना

- गबन – प्रेमचंद

इकाई - II : कहानी – स्वरूप और संरचना

- परदा – यशपाल
- रोज – अज्ञेय
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- कोशी का घटवार – शेखर जोशी
- अकेली – मन्नू भंडारी

इकाई - III : निबंध

- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लॉर्ड कर्जन – बालमुकुंद गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

इकाई – IV : संस्मरण

- भक्तिन – महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन – रांगेय राघव

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरस मिश्र
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
4. हिंदी कहानी : अंतरंग परिचय – रामदरस मिश्र
5. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
8. हिंदी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरुप चतुर्वेदी
9. छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला जैन

Skill Enhancement Course (SEC)

HINSSEC01M : कार्यालयी हिंदी (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 हिंदी भाषा के विभिन्न रूप

- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा

शिक्षण माध्यम

- भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा

इकाई – 2 राजभाषा का स्वरूप

- संविधान में राजभाषा संबंधी विविध नियमों का सामान्य परिचय
- राजभाषा के रूप में हिंदी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान

इकाई – 3 कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम

इकाई – 4 कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएं, निविदा आदि)
- टिप्पण, प्रारूपण, आलेखन, पल्लवन, संक्षेपण आदि

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
4. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाश नाथ पांडेय

HINSSEC02M : अनुवाद विज्ञान (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-I

- अनुवाद का अर्थ स्वरूप और प्रकृति
- अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्व
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक –सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका

इकाई-II

- अनुवाद के प्रकार: शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद
- अनुवाद प्रक्रिया – विश्लेषण, अंतरण एवं पूनर्गठन
- अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष- पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की),द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की भूमिका) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ सम्प्रेषण की भूमिका)

इकाई-III

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनिकी अनुवाद में अंतर
- गद्यानुवाद और एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद

इकाई- IV

- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा की नीति की अनुपालन में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज के अनुवाद बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी और हिंदी रूप

सहायक ग्रंथ

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत –अनुवाद – डॉ. रविशंकर दीक्षित
2. अनुवाद के सिद्धांत – अनुवाद-डॉ. जे. एल.रेड्डी
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – गोपीनाथन जी
4. अनुवाद विज्ञान:सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. नगेन्द्र
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
6. अनुवाद की समस्याएँ- भोलानाथ तिवारी

Discippline Specific Elective (DSE)

HINGDSE01T : कबीर (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1—गुरुदेव को अंग- 1,3,4,5,15,20,27,32,33,34 |

कस्तूरिया मृग को अंग- 1,4,5,8,9 |

इकाई-2— विरह को अंग – 2,3,4,6,11,12,18,20,24,45 |

सूरातन को अंग- 12,13,19,21,38 |

इकाई-3—पद – दुलहिन गावहु मंगलाचार (1)

राम बान अनियाले तीर (118)

है हरिजन थैं चूक पारी (146)

वे दिन कब आवेंगे माई (306)

लोका मति कै भोरा (402)

इकाई-4—पद- एक अचंभा देखया रे भाई (11)

संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16)

काहे री नलिनी तू कुमहिलानी (64)

अवधू ऐसा ज्ञान बिचारी (231)

पांडे कौन कुमति तोहि लागि

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य के विविध इतिहास ग्रंथ

2. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. कबीर- विजयेन्द्र स्नातक

4. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत

5. निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय

6. नाथ और संत साहित्य - डॉ. नगेंद्र नाथ उपाध्याय

7. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - परशुराम चतुर्वेदी

8. हिन्दी संतों की उलटबांसी - डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र

HINGDSE02T : तुलसीदास (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1—अयोध्याकाण्ड (रामचरितमानस,गीता प्रेस)

-कृपासिन्धु बोले मुसकाई (101)
-सीता लखन सहित रघुराई (114)
-कोटी मनोज लजावन हारे (117)
-बेचहिं बेदू धरमु दुहि लेहिं (168)
-राजधरम सरबसु एतनोई (316)

इकाई-2—बालकांड (गीतवाली, गीता प्रेस)

-आज सुदिन सुभ घरी सुहाई (1)
-ह्वै हौं लाल कबहिं बड़े बलि भैया (8)
-या सिसु के गुण नाम बड़ाई (16)
-राजती राम-जानकी जोरी (105)
-भूजनि पर जननी वारि फेरि डारी (109)

इकाई-3—विनयपत्रिका, गीता प्रेस

-ऐसी मूढ़ता या मन की (90)
-अब लौं नसानी अब न नसैहौं (105)
-केसव! कहि न जाइ का कहिये (111)
- ऐसे राम दीन हितकारी (166)
-कबहुँक हौं यही रहनी रहौंगौ (172)

इकाई-4—सुंदरकाण्ड (कवितावली, गीता प्रेस)

-बासव-बरुन बिधी बनते सुहावनों
-बालधि बिसाल बिकराल, ज्वालजाल मानो
-जहां-तहां बुबुक बिलोकि बुबकारी देत
-पावाकु, पवनु, पानी, भानु, हिमवान, जमु
- नगर कुबेर को सुमेरु की बराबरी

सहायक ग्रंथ

1. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी-काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह
3. लोकवादी तुलसी- विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी – वासुदेव प्रसाद सिंह
5. गोस्वामी तुलसीदास- रामजी तिवारी
6. भक्ति-आंदोलन और भक्तिकाव्य- शिवकुमार मिश्र
7. रामचरित पाठ, चित्रा और लीला- रमण सिंह

HINGDSE03T : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 सखी बसंत आया

जूही की कली

जागो फिर एक बार-2

इकाई – 2

अधिवास

बादल राग – 1

भारती जय विजय करे

इकाई – 3

तोड़ती पत्थर

बाहर मैं कर दिया गया हूँ

स्नेह निर्झर बह गया

गहन है यह अंधकारा

इकाई – 4 कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा

सहायक ग्रंथ

1. राग-विराग – सं. रामविलास शर्मा
2. निराला – रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य साधन (तीनों खंड) – रामविलास शर्मा
4. निराला एक आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
5. निराला की काव्य भाषा – रेखा खरे
6. निराला कवि छवि – नंदकिशोर नवल

HINGDSE04T : प्रयोजनपरक हिंदी (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारण और विविध क्षेत्र
- प्रयोजन मूलक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम
- कार्यालयी हिंदी और उसकी प्रकृति

इकाई-II

- विविध संचार माध्यम : परिचय और कार्यविधि
- श्रव्य माध्यम :रेडियो
- श्रव्य-दृश्य माध्यम: टेलीविजन
- तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
- मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- समाचार पत्र

इकाई-III

- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो लेखन: उदघोषणा,कार्यक्रम-संयोजन,संचार,धारावाहिक,फीचर रिपोर्ट,रेडियो नाटक,
- इंटरनेट: सामग्री-सृजन, संयोजन एवं सम्प्रेषण

इकाई- IV

- अनुवाद की परिभाषा ,स्वरुप और महत्व
- अनुवाद के प्रकार

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रधुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
3. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ – सं. उषा शुक्ल
4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव
5. प्रारूपण,टिप्पण,प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7. प्रशासनिक शब्दमालाएँ – शिवनारायण चतुर्वेदी

Genric Elective Course (GEC)

HINGGEC01T : आधुनिक भारतीय कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 रवीन्द्रनाथ ठाकुर

- जन्म कथा
- दो पंछी
- मुक्ति
- जीवन देवता
- तुम्हारी सृष्टि का पथ

इकाई – 2 सीताकांत महापात्र

- आकाश
- वर्षा की सुबह
- नारी
- सांझ
- चूल्हे की आग

इकाई – 3 सुब्रमण्यम भारती

- यह है भारत देश हमारा
- वन्देमातरम
- आजादी का एक पल्लू
- निर्भय

इकाई – 4 मिर्जा गालिब

- दिल-ए-नादां तुझे हुआ क्या है
- हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर
- न था कुछ तो खुदा था
- कोई उम्मीद बर नहीं आती
- की वफा हमसे तो गैर उसको

सहायक ग्रंथ

1. गालिब और उनकी शायरी – प्रकाश पंडित

2. मिर्जा गालिब की जीवनी और शायरी – मालिक राम

3. रवीन्द्र रचना संचयन – सं : असीत कुमार बंदोपाध्याय

4. सुब्रह्मण्यम भारती : व्यक्तित्व और कृतित्व – मंगला रामचंद्रन

5. सुब्रह्मण्यम भारती – सुमित कुमार

6. वर्षा की सुबह – सीताकांत महापात्र

HINGGEC02T : आधुनिक भारतीय साहित्य (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 उपन्यास

देहाती समाज – शरतचंद्र चट्टोपाध्याय

इकाई – 2 नाटक

घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर

इकाई – 3 कहानी

- एक अविस्मरणीय यात्रा (असमिया) – इन्दिरा गोस्वामी
- बघेई (उड़िया) – गोपीनाथ मोहंती
- ट्रेडिल (तमिल) – जयकान्तन
- खोल दो (उर्दू) – सआदत हसन मंटो
- विद्रोह (मराठी) – बाबूराव बागूल

इकाई – 4 निबंध : रवीन्द्रनाथ ठाकुर

- साहित्य का तात्पर्य
- सभ्यता का संकट

सहायक ग्रंथ

1. बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन, सं: निर्मला जैन
2. रवीन्द्र रचना संचयन – सं : असीत कुमार बंदोपाध्याय
3. राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति – आशिस नंदी
4. मराठी साहित्य : परिदृश्य – चंद्रकांत बांदिबडेकर
5. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य – भ.ह. राजूरकर, राजमल बोरा

Hindi Language & Literature (MIL-HINL)

HINLCOR01T : हिंदी भाषा और साहित्य (MIL) (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 हिंदी भाषा और साहित्य

- आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
- हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई – 2 भक्तिकालीन कविता

(क) कबीर -

- पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ ...
- कस्तुरी कुंडलि बसे....
- यह तन बिस की बेलरी....
- सात समुंद की मसि करूँ....
- साधू ऐसा चाहिए...
- सतगुरु हमसू रीझकर...

(ख) सूरदास –

- मैया मैं नहीं माखन खायो...
- उधो मन न भए दस बीस...

इकाई – 3 रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी

- मेरी भाव बाधा हरो...
- कनक कनक ते सौ गुनी...
- क़हत नटत रीझत....
- या अनुरागी चित्त की...

(ख) भूषण

- इंद्र जिमि जंभ पर....
- साजि चतरंग सैन...

इकाई – 4 आधुनिक कविता

- मैथिलीशरण गुप्त – नर हो न निराश करो मन ...
- निराला – वर दे वीणावादिनी ....

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. त्रिवेणी - रामचंद्र शुक्ल
4. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. निराला – रामविलास शर्मा

HINLCOR02T : हिंदी गद्य साहित्य (MIL) (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

- हिंदी गद्य का उद्भव और विकास
- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई – 2

- प्रेमचंद - बूढ़ी काकी
- प्रसाद – गुंडा
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी – सुखमय जीवन

इकाई – 3

- बालमुकुंद गुप्त – मेले का ऊंट
- भारतेंदु – इंग्लैंड और भारतवर्ष
- हरिशंकर परसाई – ठिठुरता हुआ गणतंत्र

इकाई – 4

- भारतेंदु हरिश्चंद्र - भारत दुर्दशा
- महादेवी वर्मा – बिबिया

सहायक ग्रंथ

1. . हिंदी का गद्य तिवारी – रामचंद्र तिवारी
2.. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
3. निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय, निर्मला जैन
4.. निबंधों की दुनिया – विजयदेवनारायण साही, निर्मला जैन
5. हिंदी रेखाचित्र – हरबंसलाल शर्मा
6.. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Ability Enhancement Compulsary Course (AECC)

HINSAEC01M : हिंदी संप्रेषण (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण-स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम-एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषाः संरचना के विविध आयाम- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन –किशोरीदास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी.आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12 .भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका- विद्‌यानिवास मिश्र

B.A. (HONOURS),
CORE CORSE (CC)

HINACOR01T - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई- I : हिन्दी भाषा के विकास की पूर्व पीठिका

-भारोपीय भाषा परिवार और आर्य भाषाएँ (संस्कृत, पालि,प्राकृत, अपभ्रंश आदि का सामान्य परिचय)

- हिन्दी का प्रारम्भिक रूप
- हिन्दी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)
- हिन्दी भाषा : क्षेत्र और बोलियाँ

इकाई-II साहित्येतिहास दर्शन और आदिकाल

- साहित्येतिहास एवं इतिहास दर्शन
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिन्दी साहित्य : काल विभाजन और नामकरण
- आदिकाल की परिस्थितियाँ
- सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परिचय और महत्व
- अमीर खुसरो और विद्यापति का साहित्यिक महत्व
- रासो काव्य परम्परा

इकाई-III भक्तिकाल

- भक्ति का उदय, भक्ति आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्तिकाल के विभिन्न संप्रदाय और उनके आचार्य

- भक्तिकाल की विविध धाराएँ और उसकी विशेषताएँ , भक्तिकालीन प्रमुख कवि और उनके काव्य

इकाई- IV रीतिकाल

- रीतिकाल की प्रमुख परिस्थितियाँ
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- रीतिकालीन काव्य की विविध धाराओं-- रीतिबद्ध,रीतिमुक्त एवं रीतिसिद्ध— के कवियों का परिचय
- रीत्येतर साहित्य: रीतिकालीन वीरकाव्य, भक्तिकाव्य , नीतिकाव्य

सहायक ग्रंथ

1. वैज्ञानिक हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास- उदयनारायण तिवारी
3. हिन्दी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. राजभाषा हिन्दी – डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
9. हिंदी साहित्य का अतीत ,भाग – १ ,२ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिंदी साहित्य क आधा इतिहास – सुमन राजे
11. रीतिकाल की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
12. हिंदी साहित्य कोश – भाग १,२
13. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
14. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा
16. हिंदी साहित्य का इतिहास – गणपतिचन्द्र गुप्त

HINACOR02T: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

(क) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो (हरिकृष्ण देवसरे)

दोहा –

1. गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस... (पृ. 96)

2. ख़ुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग... (पृ. 96)

3. देख मैं अपने हाल को रोऊँ... (पृ. 98)

4. चकवा चकवी दो जने... (पृ. 98)

5. सेज सूनी देख के... (पृ. 98)

(ख) कबीर – कबीर ग्रंथावली (संपादक – श्याम सुंदर दास)

साखी –

गुरुदेव को अंग – पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि... (11)

सतगुर हम सूँ रीझि करि, एक कह्या प्रसंग... (33)

सुमिरण को अंग – भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुक्ख अपार... (4)

तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ... (9)

बिरह को अंग – बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ... (18)

बिरहा बुरहा जिनि कहौ, बिरहा है सुलितान... (21)

परचा को अंग – पारब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान... (3)

कबीर कवल प्रकासिया, ऊग्या निर्मल सूर... (43)

पद संख्या : 156 – अकथ कहाँणी प्रेम की, कछु कही न जाई...

307 – बाल्हा आव हमारे गेहु रे, तुम्ह बिन दुखिया देर रे...

इकाई - 2

(क) जायसी – पदमावत (संपादक – वासुदेव शरण अग्रवाल)

मानसरोदक खण्ड (प्रारंभिक 4 कड़वक)

(ख) तुलसीदास - अयोध्याकाण्ड : कवितावली (गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण संख्या 2052)

अयोध्याकाण्ड (पद संख्या) –

1. कीर के कागर ज्यौं नृप चीर...

8. पात भरी सहरी सकल सुत बारे बारे...

18. बनिता बनि स्यामल गौर के बीच...

19. सांवरे गोर सलोने सुभाय...

22. सुनि सुंदर बैन सुधारस सानै...

इकाई – 3

(क) सूरदास – सूरसुषमा (संपादक – नंददुलारे वाजपेयी)

पद संख्या – 1. अबिगत गति कछु कहत न आवै...

19. सोभित कर नवनीत लिए...

96. संदेसो देवकी सौं कहियौ...

100. बिनु गुपाल बैरिनि भई कुंजै...

151. ऊधो मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं...

(ख) मीराबाई – मीरांबाई - पदावली (संपादक – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी)

पद संख्या – 3. बस्याँ म्हारे णेणण में नंदलाल...

17. म्हाँ गिरधर आगाँ नाच्या री...

33. राणो जी म्हांने या बदनामी लगे मीठी...

36. पद बाँध घुँघरयाँ णाच्याँ री...

70. हेरी म्हाँ दरद दिवाणी म्हारां दरद न जाण्यां कोय...

इकाई – 4

रीतिकाव्य संग्रह (संपादक – जगदीश गुप्त)

(क) बिहारी लाल

दोहा संख्या : 1. मेरी भव बाधा हरौ...

11. कहत नटत रीझत खीझत...

13. नहिं पराग नहिं मधुर मधु...

33. जप माला छापा तिलक...

93. बतरस लालच लाल की...

97. कहलाने एकत बसत...

112. चिर जीवौ जोरी जुरै...

(ख) घनानंद

पद संख्या : 1. रूप निधान सुजान सखी...
2. मति सुजान अनीति करौ...
3. रावरो रूप की रीति अनूप...
23. अति सूधो सनेह को मारग है...
43. झलकै अति सुंदर आनन गौर...

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य के विभिन्न इतिहास ग्रंथ
2. अमीर खुसरो का हिंदवी काव्य – गोपीचंद नारंग
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर – विजयेंद्र स्नातक
5. अकथ कहानी प्रेम की –पुरुषोत्तम अग्रवाल
6. जायसी ग्रंथावली –रामचंद्र शुक्ल
7. जायसी – विजयदेव नारायण साही
8. सूरदास –रामचंद्र शुक्ल
9. त्रिवेणी –रामचंद्र शुक्ल
10. भक्तिआंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. लोकवादी तुलसीदास –विश्वनाथ त्रिपाठी
12. तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
13. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
14. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य – शिवकुमार मिश्र
15. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र
16. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद
21. घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
22. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक – श्याममनोहर पाण्डेय
23. स्वच्छंदतावादी काव्यधारा और घनानंद – मनोहर लाल गौड़

HINACOR03T : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)

(06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
- भारतीय नवजागरण और हिन्दी नवजागरण की अवधारणा
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- द्विवेदीयुग और खड़ीबोली आंदोलन
- भारतेन्दु और द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई-II

- छायावादी काव्य आंदोलन और उसके प्रमुख कवि
- छायावाद: परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद :
- प्रगतिवाद की अवधारणा और काव्य आंदोलन
- प्रयोगवाद
- नयी कविया

इकाई-III

- साठोत्तरी कविता,नवगीत, नवे दशक की कविता , समकालीन कविता
- समकालीन कथा-साहित्य – उपन्यास और कहानी

- नाटक, एकांकी

इकाई-IV

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास-

- आलोचना
- निबंध,
- गद्य की अन्य विधाएँ : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्तांत, आदि।

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
2. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागर की समस्याएँ – डॉ.रामविलास शर्मा
3. हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
4. आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे बाजपेयी
5. छायावाद – नामवर सिंह
6. हिन्दी नवगीत :उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
7. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा

HINACOR04T: आधुनिक कालीन हिंदी कविता (छायावाद तक) (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 जयशंकर प्रसाद

- हिमाद्रि तुंग शृंग से
- बीती विभावरी जाग री
- आत्मकथा
- मेरे नाविक
- अतिथि
- आह! वेदना मिली विदाई
- हिमालय के आंगन में उसे

इकाई – 2 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

- राजे ने रखवाली की
- बांधों न नाव इस ठांव बंधु
- भिक्षुक
- जागो फिर एक बार
- खंडहर के प्रति
- महंगू महंगा रहा
- सखि, वसंत आया

इकाई – 3 सुमित्रानंदन पंत

- ताज
- परिवर्तन
- मौन निमंत्रण
- नौका विहार
- आह! धरती कितना देती है

- छाया
- गांव के लड़के
- बूढ़ा चांद

इकाई – 4 महादेवी वर्मा

- विरह का जलजात जीवन विरह का जलजात
- बीन भी हूं....
- पंथ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला
- क्या पुजा क्या अर्चन रे
- जाग तुझको दूर जाना
- रे पपीहे पी कहां
- कहां से आए बादल काले
- जब यह दीप थके तब आना

सहायक ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

2. जयशंकर प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर

3. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

4. छायावाद – नामवर सिंह

5. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

6. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – जानकी वल्लभ शास्त्री

7. निराला कवि छवि – नंद किशोर नवल

8. आधुनिक हिंदी कविता युगीन संदर्भ – अरुण होता

9. पंत सहचर – अशोक वाजपेयी, अपूर्वानंद

10. महादेवी वर्मा – इन्द्रनाथ मदान

11. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

HINACOR05T : छायावादोत्तर हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

(ग) नागार्जुन –

- वह दंतुरित मुस्कान
- बहुत दिनों के बाद
- प्रेत का बयान

(घ) अज्ञेय –

- कलगी बाजरे की
- नदी के द्वीप
- जो कहा नहीं गया

इकाई – 2

(क) मुक्तिबोध –

- ब्रह्मराक्षस

(ख) धूमिल -

- रोटी और संसद
- प्रौढ़ शिक्षा
- किस्सा जनतंत्र का

इकाई – 3

(क) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

- सौंदर्य-बोध
- भूख
- भेड़िया-2 और 3

(ख) केदारनाथ सिंह

- बढ़ई और चिड़िया
- रोटी

- पानी में घिरे हुए लोग

इकाई – 4

(क) राजेश जोशी

- बच्चे काम पर जा रहे हैं
- मारे जाएंगे
- झाड़ू की नीतिकथा

(ख) अनामिका

- कूड़ा बीनते बच्चे
- नमक
- बेजगह

सहायक ग्रंथ

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
5. समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल
6. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
7. समकालीन हिंदी कविता – रवीन्द्र भ्रमर
8. उत्तर छायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
9. सुंदर का स्वप्न – अपूर्वानंद
10. समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
11. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
13. छठवां दशक – विजयदेव नारायण साही
14. नए विमर्श और समकालीन कविता – जितेंद्र श्रीवास्तव

HINACOR06T : भारतीय काव्यशास्त्र (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1— काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन |

इकाई-2— शब्द शक्तियाँ,

रस सिद्धान्त- रस के अंग, रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण |

इकाई-3— अलंकार सिद्धान्त- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण | रीति सिद्धान्त- रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण |

इकाई-4—| ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि की अवधारणा और स्वरूप, ध्वनि के भेद |

वक्रोक्ति सिद्धान्त- वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजना

सहायक ग्रंथ

1. रस मीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल

2. रस-सिद्धान्त – नगेन्द्र

3. काव्य दर्पण – रामदहीन मिश्र

4. साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी

6. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र

7. साहित्य का स्वरूप – नित्यानन्द तिवारी

8. काव्य तत्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी

9. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा

10. सिद्धांत और अध्ययन – गुलाब राय

HINACOR07T : पाश्चात्य काव्यशास्त्र (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1—

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ |
- अरस्तू- अनुकरण सिद्धान्त
- लोंजाइनस- काव्य में उदात्त की अवधारणा

इकाई-2—

- कॉलरिज- कल्पना सिद्धान्त
- क्रोंचे- अभिव्यंजनावाद
- रिचर्ड्स- संप्रेषण का सिद्धान्त

इकाई-3—

- इलियट- निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त
- नई समीक्षा : प्रवृत्तियां, सैद्धांतिक अवधारणा और प्रमुख समीक्षक

इकाई-4— सामान्य परिचय

मार्क्सवादी समीक्षा,स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता |

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. हिंदी साहित्य कोश – सं. धीरेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन
4. आस्था के चरण – नगेंद्र
5. हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
6. आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी
7. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ – रमेश गौतम
8. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – सं. अमरनाथ शर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – शांतिस्वरूप गुप्त

HINACOR08T : भाषा विज्ञान (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण, भाषा के प्रकार
- भाषा और बोली का अंतरसंबंध, भाषा की परिवर्तनशीलता

इकाई-II

- स्वनिम विज्ञान की परिभाषा, स्वन और वागीन्द्रिय
- स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रयत्न के आधार पर
- स्वनिम परिवर्तन के कारण

इकाई-III

- वाक्य विज्ञान-
- वाक्य की परिभाषा
- वाक्य के अनिवार्य तत्व
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के कारण

इकाई-IV

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा
- शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेन्द्र शर्मा
4. भाषा के विज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा- द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. आधुनिक भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा

HINACOR09T : हिंदी उपन्यास (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

प्रेमचंद – कर्मभूमि

इकाई – 2

जैनेन्द्र – त्यागपत्र

इकाई – 3

भीष्म साहनी – तमस

इकाई – 4

मन्नू भण्डारी - महाभोज

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद : उपन्यास संबंधी निबंध (विविध प्रसंग भाग - 3)
2. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
3. उपन्यास और लोकजीवन – राल्फ फॉक्स
4. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
5. हिंदी उपन्यास का पुनर्जन्म – परमानंद श्रीवास्तव
6. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
7. सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी
8. हिंदी उपन्यास – संपा. नामवर सिंह
9. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
10. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
11. कसौटी 15 – सं. नंद किशोर नवल
12. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश
13. उपन्यास का शिल्प – त्रिभुवन सिंह
14. उपन्यास कला और सिद्धांत – सं. विनोद तिवारी, अजय आनंद

HINACOR10T : हिंदी कहानी (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. सदगति - प्रेमचंद
3. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

इकाई – 2

1. पाजेब - जैनेंद्र कुमार
2. तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
3. चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई – 3

1. परिंदे - निर्मल वर्मा
2. दोपहर का भोजन - अमरकांत
3. टूटना - राजेंद्र यादव

इकाई – 4

1. सुख - काशीनाथ सिंह
2. वापसी - ऊषा प्रियंवदा
3. यह अंत नहीं - ओमप्रकाश वाल्मीकि

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
3. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
4. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
5. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
8. कहानी का विकास – मधुरेश
9. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
10. एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव
11. समकालीन कहानी का नया परिप्रेक्ष्य – पुष्पपाल सिंह
12. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
13. समय और साहित्य – विजयमोहन सिंह
14. हिंदी कहानी का पहला दशक – सं. भवदेव पाण्डेय

HINACOR11T : हिंदी नाटक एवं एकांकी (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1

अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3

आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

इकाई – 4

स्ट्राइक - भुवनेश्वर

लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्र नाथ अश्क

रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माथुर

सहायक ग्रंथ

1. नाटक – भारतेंदु हरिश्चंद्र
2. रंगमंच – जयशंकर प्रसाद
3. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा
4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – सं. नेमिचंद जैन
5. हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
6. हिंदी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि – महेश आनंद
8. जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि – महेश आनंद
9. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
10. हिंदी रंगचेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
11. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
12. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेंद्र
13. मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा
14. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा

HINACOR12T : हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 निबंध

भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है - भारतेंदु हरिश्चंद्र

मजदूरी और प्रेम - अध्यापक पूर्ण सिंह

लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल

इकाई – 2 निबंध

आम फिर बौरा गए - हजारी प्रसाद द्विवेदी

मेरे राम का मुकुट भींग रहा है - विद्यानिवास मिश्र

सदाचार का ताबीज - हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 जीवनी/आत्मकथा

कलम का सिपाही - अमृत राय

क्या भूलूं क्या याद करूँ - हरिवंश राय बच्चन

इकाई – 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत

संस्मरण : वसंत का अग्रदूत - अज्ञेय

रेखाचित्र : रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी

यात्रा-वृत्तांत : अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा - राहुल सांकृत्यायन

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
3. हिंदी गद्य – विन्यास और विकास
4. भारतेंदु युग – रामविलास शर्मा
5. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
7. निबंधों की दुनिया : विजयदेवनारायण साही – प्र. सं. निर्मला जैन
8. बालकृष्ण भट्ट के निबंध – सत्यप्रकाश मिश्र

HINACOR13T: हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा और महत्व
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई- II

- छायावादी साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ
- स्वतंत्रोत्तरसाहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ

इकाई-III

- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ
- साहित्यिक पत्रकारिता और प्रेमचंद

इकाई-IV

- महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ – कविवचनसुधा,भारतमित्र,हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान,आज,स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता

सहायक ग्रंथ

1. संचार कला – हरिमोहन
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – डॉ.अर्जुन तिवारी
3. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. धीरेंद्रनाथ सिंह
5. हिन्दी पत्रकारिता के नया स्वरूप- डॉ. बच्चन सिंह
6. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ गोविंग जोगलेकर
7. हिन्दी पत्रकारिता के नये प्रतिमान- डॉ. बच्चन सिंह
8. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता – डॉ. इंद्रसेन सिंह

HINACOR14T : प्रयोजनमूलक हिन्दी (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और अवधारणा,
- प्रयोगात्मक क्षेत्र
- कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण

इकाई-II

- हिंदी की शैलियां: हिंदी, उर्दू और हिंदुस्थानी
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता प्रकार और शैली

इकाई-III

- वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- व्यावसायिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- संचार माध्यम आकाशवाणी,चलचित्र,दूरदर्शन) और उसके प्रमुख लक्षण

इकाई-IV

- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार
- टिप्पणी तथा मसौदा लेखन
- सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रधुनन्दन प्रसाद शर्मा

2. प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे

3. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ – सं. उषा शुक्ल

4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव

5. प्रारूपण,टिप्पण,प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी

Skill Enhancement Course (SEC)

HINSSEC01M : साहित्य और हिंदी सिनेमा (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई – 1 : विधागत स्तर पर सिनेमा का स्वरूप और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई – 2 : हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास

इकाई – 3 : सिनेमा में दृश्य योजना और कैमरे की भूमिका

इकाई – 4 : तकनीक और सिनेमा – सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ

(संदर्भ : अछूत कन्या , तीसरी कसम, गर्म हवा, तारे ज़मीं पर, पानसिंह तोमर)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाशन विभाग
2. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रह्लाद अग्रवाल
3. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
4. कैमरा मेरी तीसरी आँख – राधू कर्मकार
5. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
6. नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
7. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
8. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
9. सिनेमा की सोच – अजय ब्रह्मात्मज
10. शहर और सिनेमा वाया दिल्ली – मिहिर पंड्या
11. हिंदी सिनेमा के 150 सितारे – विनोद विप्लव
12. सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
13. जावेद अख्तर से बातचीत सिनेमा के बारे में – नसरीन मुन्नी कबीर
14. फिल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा – शिल्पायन प्रकाशन
15. भारतीय फिल्मों में महिला किरदार – संचिता सिंह
16. बॉलीवुड पाठ : विमर्श के संदर्भ – ललित जोशी

HINSSEC02M : अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-I

- अनुवाद का अर्थ स्वरूप और प्रकृति
- अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्व
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक –सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका

इकाई-II

- अनुवाद के प्रकार: शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद
- अनुवाद प्रक्रिया – विश्लेषण, अंतरण एवं पूनर्गठन
- अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष- पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की),द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की भूमिका) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ सम्प्रेषण की भूमिका)

इकाई-III

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनिकी अनुवाद में अंतर
- गद्यानुवाद और एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद

इकाई- IV

- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा की नीति की अनुपालन में धारा ३(३) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज के अनुवाद बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी और हिंदी रूप

सहायक ग्रंथ

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत –अनुवाद – डॉ. रविशंकर दीक्षित
2. अनुवाद के सिद्धांत – अनुवाद-डॉ. जे. एल.रेड्डी
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – गोपीनाथन जी
4. अनुवाद विज्ञान:सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. नगेन्द्र
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
6. अनुवाद की समस्याएँ- भोलानाथ तिवारी

Discipline Specific Elective (DSE)

HINADSE01T : लोक साहित्य (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- लोक साहित्य : परिभाषा एवं स्वरुप, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता,
- लोक संस्कृति: अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य , लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया,
- लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ ,लोक साहित्य के प्रमुख रूप
- लोक गीत , लोक नाट्य, लोक कथा, लोक गाथा, लोकोक्ति

इकाई-II

- लोक गीत : वाचिक और मुद्रित
- संस्कार गीत: सोहर, विवाह,मंगलगीत इत्यादि
- सोहर-भोजपुरी,भोजपुरी संस्कार गीत (हंसकुमार तिवारी,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् ,पृष्ठ-८,गीत संख्या-४)

इकाई-III

- लोक नाट्य: सामान्य परिचय, रामलीला,जात्रा, कथकली,उत्तर प्रदेश की नौटंकी, तमाशा या यक्षगान,भवाई माच,सवांग
- पाठ – बिदेशिया कृत लोक नाट्य भिखारी ठाकुर

इकाई -IV

- लोककथाएँ और लोकगाथाएँ का सामान्य परिचय
- लोक गाथा की भारतीय परम्परा ,लोकगाथा प्रस्तुति
- लोक लोक गाथाएँ-भोला मारू रा दुहा – गोपिचंद-भरथरी, लोरिक गायन,नल दमयंती, लैला-मजनूं ,हीर-राँझा , सोनी -महिवाल

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय
2. मिट मई पीपल- देवेन्द्र सत्यार्थी
3. रसमंजरी – सुचिता रामदीन
4. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास – राहुल सांकृत्यायन
5. वाचिक कविता , भोजपूरी – पं.विद्यानिवास मिश्र
6. कविता कौमुदी – रामनरेश त्रिपाठी
7. लाखिमचंद का काव्य वैभव – हरिश्चंद्र बंधू
8. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य- सहनकर लाल यादव
9. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
10. चीनी लोक कथाएँ – अनिल राय

HINADSE02T : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I - अस्मितामूलक विमर्श: स्वरुप, संभावनाएं और चुनौतियां

- दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और आंबेडकर
- स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) रैडिकल,मार्क्सवादी, उदारवादी, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता
- आदिवासी विमर्श – अवधारणा और आंदोलन

इकाई-II विमर्श मूलक कथा साहित्य

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम
- हरिराम मीणा – धूनी तपे तीर , (पृष्ठ संख्या- 158-167),
- फिक्स डिपोजिट-डॉ. रोज करकेट्टा

इकाई-III विमर्शमूलक कविता

- दलित कविता – अछूतानन्द (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे, नगीना सिंह (कितनी व्यथा),माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)
- स्त्री कविता – कीर्ति चौधरी (सीमा रेखा), कात्यायनी, सात भाइयों के बीच चम्पा), सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)
- निर्मला पुतुल- तुम्हारे एहसान लेने से पहले सोचना होगा हमें ,सुशीला समद –संध्या , अनुज लुगुन – ससनदिरी

इकाई-IV विमर्शमूलक अन्य विधाएँ

- प्रभा खेतान अन्या से अनन्या तक (पृष्ठ- 28-42)
- तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ- पृष्ठ- 125-135)
- मेरी जीवन मेरी कहानी –डॉ. सुमिल पि.भी.
- इतिहासकारों के लिए आसान नहीं होता तटस्थ रहना –हेराल्ड एस.टोयानो

सहायक ग्रंथ

1. सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता
2. गुलमगिरी – ज्योतिबा फुले
3. आंबेडकर रचनावली- भाग-1
4. उपनिवेश में स्त्री- प्रभा खेतान
5. स्त्री अस्मिता साहित्य और अवधारणा – सुधा सिंह
6. मुक नायक , बहिष्कृत भारत – आंबेडकर
7. शिकंजे का दर्द – सुशीला टांकभौरे
8. जूठन – ओमप्रकाश बाल्मीकि
9. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – शरण कुमार लिंबाले
10. दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय
11. नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
12. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएँ और दिशाएँ – रजत रानी मीनू
13. औरत होने की सजा – अरविंद जैन
14. आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

HINADSE03T : राष्ट्रीय काव्यधारा (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1—मैथिलीशरण गुप्त – (i) भारत-भारती (अतीत खंड)- हमारी सभ्यता)

(ii) मातृभूमि (मंगल घट), (iii) मनुष्यता, (iv) किसान

इकाई-2—

रामधारी सिंह दिनकर-(i) रोटी और स्वाधीनता (नीम के पत्ते)

(ii) नई आवाज़ (धूप और धुआँ)

(iii) जनतंत्र का जन्म (नील कुसुम)

(iv) हिमालय के प्रति (रेणुका)

इकाई-3—माखनलाल चतुर्वेदी- (i) युग-ध्वनि (समर्पण)

(ii) पुष्प की अभिलाषा

(iii) जवानी

(iv) मेरा घर

इकाई-4—सुभद्रा कुमारी चौहान- (i) झांसी की रानी

(ii) जालियांवाला बाग में बसंत

(iii) राखी

(iv) वीरों का कैसा हो वसंत

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक हिन्दी कविता—विश्वानाथ प्रसाद तिवारी

2. मैथिलीशरण गुप्त: व्यक्ति ओर काव्य – कमलाकांत पाठक

3. प्रसाद, पंत ओर मैथलीशरण—रामधारी सिंह दिनकर

4. युगचरण दिनकर—डॉ. सावित्री सिन्हा

5. दिनकर के काव्य मे मानवतावादी प्रेम चेतना – डॉ.मधुबाला

6. दिनकर के काव्य मे वस्तु विधान—डॉ. इंदुवशिष्ठ

HINADSE04T : संत काव्यधारा (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-1—नामदेव- राग टोडी (पदावली भाग-1)

इकाई-2—कबीरदास (श्यामसुंदर दास)

दोहे-(1) कथनी-करणी कौ अंग- 1,10

(2) साँच कौ अंग- 6,14

(3) भेष कौ अंग- 2,18

(4) कुसंगति-सद्संगति कौ अंग- 2,11

(5) गुरुदेव कौ अंग- 16,34

पद- 83,87,

इकाई-3—रैदास- दोहे- (1) जाति-जाति में जाति है

(2) कृस्न, करीम, राम हरि, राघव

(3) रैदास कनक और कंगन माहि

(4) हिन्दू तुरक नहीं कछु भेदा

(5)वर्णाश्रम अभिमान तजि

पद- (1) प्रभुजी तुम चन्दन हम पान

(2) प्रीति साधारण आव

इकाई-4—दोहे- (1) दादू इस संसार में

(2) हिन्दू लागे देहरी

(3) सतगुरु कीया फेरि

(4) दादू हरि रस पीवतां

(5) माया विषै विकार थैं

भजन- (1) बिरहणी कौ सिंगार न भावै

(2) हिन्दू तुरक न जाणौं दोइ

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य इतिहास के विविध ग्रंथ
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ- योगेंद्र प्रताप सिंह
3. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर- विजयेन्द्र स्नातक
5. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
6. निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय
7. नाथ और संत साहित्य - डॉ. नगेंद्र नाथ उपाध्याय
8. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - परशुराम चतुर्वेदी
9. हिन्दी संतों की उलटबांसी - डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र

HINADSE05T : तुलसीदास (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 रामचरित मानस - उत्तरकांड (कलि वर्णन)

इकाई – 2 दोहावली

दोहा सं.

28. रामनाम कलि कामतरु राम भगति सुरधेनु...

86. प्रीति राम सों नीति पथ चलिए राग रिस जीति...

101. संकरप्रिय मम द्रोही शिवद्रोही मम दास...

256. घर कीन्हें घर जात है घर छाड़ें घर जाई...

277. एक भरोसो एक बल एक आस बिस्वास...

280. रटत रटत रसना लटी तृषा सूखिगै अंग...

285. मान राखिबो, माँगबो पिय सों नित नव नेहु...

302. बध्यो बधिक परयो पुन्यजल उलटि उठाई चोंच...

522. मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक...

564. तुलसी पावस के समय धरी कोकिलन मौन...

इकाई – 3 कवितावली - पाँच पद

पद संख्या

97. खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि। (घनाक्षरी)

105. आगम बेद, पुरान बखानत, मारग कोटिन जाहि न जानै। (सवैया)

106. धूत कहो अवधूत कहो रजपूत कहौ जुलहा कहो कोई। (सवैया)

118. भौंह, कमान, संधान, सुठान जे नारि बिलोकनि बान ते बांचै। (सवैया)

129. अंतरजामिहुँ तें बड़ बाहरजामि हैं राम, जे नाम लिए तें। (सवैया)

इकाई – 4 विनय पत्रिका - पाँच पद

पद संख्या : 45. श्रीराम चंद्र कृपालु भजु मन हरण भव भय दारुनं। (राग गौरी)

88. कबहूँ मन बिस्राम न मान्यौ। (राग धनाश्री)

124. जौ निज मन परिहरै बिकारा। (राग बिलावल)

174. जाके प्रिय न राम बैदेही। (राग सोरठ)

198. मन पछितैहै अवसर बीते। (भैरवी)

सहायक ग्रंथ

1. तुलसी ग्रंथावली – नागरी प्रचारिणी सभा
2. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
3. त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
4. भारतीय सौंदर्य बोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा
5. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
6. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी
7. तुलसीदास – रामचंद्र तिवारी
8. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी
9. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त
10. तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ
11. तुलसी प्रतिभा – सं. इंद्रनाथ मदान

HINADSE06T : प्रेमचंद (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 उपन्यास - सेवासदन

इकाई – 2 नाटक - संग्राम

इकाई – 3 निबंध - साहित्य का उद्देश्य, बच्चों को स्वाधीन बनाओ

इकाई – 4 कहानियाँ पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद : उपन्यास संबंधी निबंध (‘विविध प्रसंग भाग-3’)
3. प्रेमचंद एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
4. विविध प्रसंग – प्रेमचंद
5. कलम का सिपाही – अमृत राय
6. प्रेमचंद – सं. सत्येंद्र
7. हिंदी उपन्यास – सं. नामवर सिंह
8. प्रेमचंद रचना संचयन – निर्मल वर्मा, कमल किशोर गोयनका
9. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान – कमल किशोर गोयनका
10. प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएं – कमल किशोर गोयनका
11. प्रेमचंद वाद, प्रतिवाद, संवाद – कमल किशोर गोयनका
12. प्रेमचंद कहानी रचनावली (6 खंड) – कमल किशोर गोयनका
13. प्रेमचंद विरासत का सवाल – शिवकुमार मिश्र
14. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

Generic Elective Course (GEC)

HINHGEC01T - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई - I आदिकाल

- हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- आदिकाल – काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई – II भक्तिकाल

- भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – III रीतिकाल

- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकालीन प्रमुख धाराएं एवं उनकी सामान्य प्रवृतियों क परिचय

इकाई - IV आधुनिक काल

- नवजागरण की अवधारणा
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी भाषा – धीरेंद्र वर्मा

4. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र

5. हिंदी साहित्य क अतीत ,भाग – १ ,२ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

6. हिंदी साहित्य क आधा इतिहास – सुमन राजे

7. रीतिकाल की भुमिका – डॉ. नगेन्द्र

8. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियों- नामवर सिंह

9. छायावाद –नामवर सिंह

10. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास –बच्चन सिंह

11. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी

12. हिंदी साहित्य कोश – भाग १,२

13. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

14. आधुनिक साहित्य – नन्द दुलारे बाजपेयी

15. आधुनिक साहित्य : बीसवीं शताब्दी – नन्द दुलारे बाजपेयी

16. अधुनिकताबोप्ध और आधुनिकीकरण – रमेश कुंतल मेघ

17. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

18. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा

19. हिंदी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेन्द्र प्रताप सिन्हा

20. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा

HINHGEC02T : मध्यकालीन हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई – 1 (क) कबीर

कबीर ग्रंथावली (सं. – श्यामसुंदर दास)

i.कस्तुरी कुंडलि बसै

ii. सुखिया सब संसार है

iii . प्रेम न बारी उपजै

iv . जब मैं था तब हरी नहीं

v .जाति न पूछो साधू की

(ख) जायसी

(जायसी ग्रंथावली, नागमति वियोग खंड, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i.नागमती चितउर पथ हेरा

ii.पिउ – वियोग अस बाउर जीऊ

iii.पाट महादेइ ! हिये न हारू

iv.चढ़ा असाढ़ गंगन घन गाजा

v.सावन बरसि मेह अतिवानी

इकाई – 2 (क) सूरदास

भ्रमरगीतसार (सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i. अविगति गति कुछ क़हत न आवै

ii. जसोदा हरि पालनै झुलावै

iii. उद्धव धनि तुम्हारो व्यवहार

iv. आयो घोष बड़ो व्योपारी

v. तेरो बुरो न कोउ मानै

(ख) तुलसीदास

(विनय पत्रिका , गीताप्रेस , गोरखपुर)

i. अवलौं नसानी , अब न नसहौं

ii. ऐसो कौन उदार जग माही

iii. जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे

iv. देव तू दयालु दीन हौं तू दानि हौं भिखारी

v. ऐसे हरि करत दास पर प्रीति

इकाई – 3

(क) मीराबाई: **मीरा का काव्य: विश्वनाथ त्रिपाठी**

i. मैं तो साँवरे के रंग राची.....

ii. हेरी मैं तो प्रेम दिवानी, मेरो दरद न जाने कोय.....

iii. पग घूंघरू बाँध मीरा नाची रे.....

iv. आली रे म्हारे णण बाण पड़ी.....

v. पायो जीम्हें तो स्याम रतन धन पायो.....

(ख) रसखान : **रीति काव्य-संग्रह – जगदीश गुप्त**

- मानुष हौं तो वही रसखानि
- या लकुटि अरु कामरिया पर
- धूर भरे अति सोभित स्याम जू

- सेस गनेस महेस दिनेस
- लीने अबीर भरे पिचका

इकाई –4 (क) बिहारी

बिहारी सतसई (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

i. या अनुरागी चित्त की गति समझै नहिं कोई

ii. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कानु

iii. नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल

iv. क़हत नटत रीझट खिझत मिलत खिलत लजियात

v. मेरी भव बाधा हरौ , राधा नागरि सोई

(ख) घनानन्द

घनानन्द कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

i. रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारिये

ii. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं

iii. जासों प्रीति ताहि निठुराई सों निपट नेह

iv. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समाने

v. नेह निधान सुजान समपि तौ सींचति ही हियरा सिवराई

सहायक ग्रंथ

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका – रामचन्द्र शुक्ल

3. भ्रमरगीतसार की भूमिका – रामचन्द्र शुक्ल

4. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल

5. जायसी – विजयदेवनारायण साही

6. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त

7. कबीर ग्रंथावली (सटीक) – रामकिशोर शर्मा

8. तुलसी काव्य में साहित्यिक अभिप्राय – जनार्दन उपाध्याय

9. जायसी : एक नयी दृष्टि – रघुवंश

10. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

11. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

12. बिहारी विभूति – राजकुमारी मिश्र

13. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द – मनोहर लाल गौड़

14. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र

15. रीतिकाव्य – जगदीश गुप्त

16. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह

17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह

18. रसखान रत्नावली – राघव रघु

HINHGEC03T : आधुनिक हिंदी कविता (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई 1 — (क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र – **भारतेन्दु संचयन (सं – रामजी यादव)**

- नए जमाने की मुकरी

(ख) मैथिलीशरण गुप्त

- दोनों ओर प्रेम पलता है
- मनुष्यता

इकाई 2 — (क) जयशंकर प्रसाद:

- अरी वरुणा की शांत कछार,
- ले चल भुलावा देकर,
- अशोक की चिंता

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-

- बादल राग-6,
- स्नेह निर्झर बह गया,
- मैं अकेला देखता हूं आ रही,

इकाई 3 – (क) सुभद्रा कुमारी चौहान

- ठुकरा दो या प्यार करो,
- वीरों का कैसा हो वसंत,
- झांसी की रानी की समाधि पर,

(ख) रामधारी सिंह दिनकर

- रश्मिरथी : तृतीय सर्ग

इकाई 4 – (क) नागार्जुन

- अकाल और उसके बाद
- मेरी भी आभा है इसमें
- शासन की बंदूक

(ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

- हिरोशिमा
- साँप
- यह दीप अकेला

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन—डा. नगेंद्र
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
4. निराला आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
5. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
6. छायावाद: नामवर सिंह
7. त्रयी(प्रसाद, निराला और पंत)- आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र- कृष्णदत्त पालीवाल
9. हिंदी स्वच्छंदतवादी काव्य धारा – प्रेमशंकर
10. सुभद्रा कुमारी चौहान – मंगला अनुज
11. रामधारी सिंह दिनकर – विजयेन्द्र नारायण सिंह
12. नागार्जुन का रचना संसार – बिजय बहादुर सिंह
13. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा

HINHGEC04T : हिंदी गद्य साहित्य (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई - I : उपन्यास – स्वरूप और संरचना

- गबन – प्रेमचंद

इकाई - II : कहानी – स्वरूप और संरचना

- परदा – यशपाल
- रोज – अज्ञेय
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- कोशी का घटवार – शेखर जोशी
- अकेली – मन्नू भंडारी

इकाई - III : निबंध

- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लॉर्ड कर्जन – बालमुकुंद गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

इकाई – IV : संस्मरण

- भक्तिन – महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन – रांगेय राघव

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरस मिश्र
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
4. हिंदी कहानी : अंतरंग परिचय – रामदरस मिश्र
5. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
8. हिंदी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरुप चतुर्वेदी
9. छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला जैन

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

HINSAEC01M : हिंदी संप्रेषण (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण-स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम-एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषाः संरचना के विविध आयाम- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन –किशोरीदास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी.आर. जगन्नाथ
10.भाषाई अस्मिता और हिंदी –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11.रचना का सरोकार- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12.भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका- विद्‌यानिवास मिश्र